सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 161 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 16 जुलाई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

आप जो करने से डरते हैं उसे करिए और करते रहिये, अपने दर पर विजय पाने का यही सबसे पक्का और तेज तरीका है जो आज तक खोजा गया है।
-डेल कार्नेगी

अब श्रीलंकाई चीतों का शिकार करेगी... 7 | रास में सीटों के घटने से बीजेपी... 3 | विस चुनावों में होगा भाजपा का... 2

बिहार के पूर्व मंत्री के पिता की हत्या और कश्मीर में जवानों के बलिदान पर मचा घमासान

- विपक्ष के निशाने पर मोदी व एनडीए सरकार
- कांग्रेस-राजद बोली, देश में ये क्या हो रहा है
- सहनी के पिता की हत्या के मामले में एसआईटी गठित
- नीतीश सरकार ने कहा- आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 9 जून को एनडीए सरकार ने सता संभाली थी। उसके बाद से उसे विवादों ने घेर लिया। पेपर लीक, आतंकी हमले व कानूनी दांवपेंच के मामले में घिरी मोदी सरकार फिर एकबार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। अबकि बार बिहार में वीआईपी के नेता मुकेश सहनी के पिता के निर्मम हत्या से वहां की नीतीश सरकार पर चौतरफा हमला शुरू हो गया है। राजद ने कहा है कि बिहार में महाजंगलराज आ गया है जहां बड़े-बड़े नेता व उनके परिवार वाले सुरक्षित नहीं हैं।

हालांकि वहां के सीएम नीतीश कुमार ने कहा है कि दोषी कोई भी होगा बख्शा नहीं जाएगा। उधर पिछले सवा महीने में जम्मू-कश्मीर में तीसरे आतंकी हमले में बलिदान पांच जवानों को लेकर कांग्रेस व पीडीपी ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला है। विपक्ष ने कहा है कि सरकार के गलत नीतियों की वजह से जम्मू में जवान शहीद हो रहे हैं। जवानों ने सोमवार देर शाम डोडा शहर से करीब 55 किलोमीटर दूर देसा वन क्षेत्र के धारी गोटे उरारबागी में संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। जवानों के बलिदान पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, प्रियंका गांधी समेत कई नेताओं ने दुख व्यक्त किया है। वहीं बिहार के पूर्व मंत्री रहे और वीआईपी के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी (65 साल) की दरभंगा में धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई।

रक्षा मंत्री ने सेना प्रमुख से की बात

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार (16 जुलाई 2024) को इस हमले के बाद सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से फोन पर बात की। उन्होंने सेना प्रमुख को आतंकी घटनाओं को लेकर सख्ती से पेश आने के निर्देश दिए। जानकारी के मुताबिक, राजनाथ सिंह ने जरनल उपेंद्र द्विवेदी को फोन कर कहा कि आतंकवादी और उनके संगठनों को लेकर कोई ढिलाई न बरती जाए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख से डोडा में आतंकियों के साथ चल रहे मुठभेड़ को लेकर भी जानकारी ली। सेना प्रमुख से उचित एक्शन लेने

अब है बिहार में जंगलराज : तेजस्वी

बिहार में जब लालू प्रसाद यादव और उनके बाद राबड़ी देवी मुख्यमंत्री थी तो विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने आपराधिक घटनाओं का हवाला देते हुए यहां जंगलराज होने की बात प्रचारित की थी। अब विपक्ष में लालू-राबड़ी के बेटे तेजस्वी यादव हैं और उन्होंने पूर्व मंत्री व विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता की हत्या के बाद बिहार में असल जंगलराज अब होने की बात कही है।

सीबीआई जांच कराने की मांग उठी

मुकेश सहनी के पिता की हत्या को लेकर अब सीबीआई से जांच कराने की मांग उठने लगी है। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण सिंह कल्लू ने कहा कि विकासशील पार्टी के संरक्षक मुकेश सहनी के पिता की निर्मम हत्या बेहद निंदनीय है। दोषियों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जल्द से जल्द अपराधियों को चिह्नित कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री बेहोशी की हालत में हैं : शक्ति सिंह

आरजेडी के प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि बिहार में क्या चल रहा है? कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब हत्या नहीं होती, मुख्यमंत्री बेहोशी की हालत में हैं, उन्हें अब तक पता भी नहीं चला होगा कि कुछ हुआ है। राज्य में कोई भी नेता सुरक्षित नहीं है। बिहार की व्यवस्था भगवान भरोसे है। आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, बिहार में महाजंगलराज कायम हो गया है. बिहार में अपराधी राज चालू हो गया है. आदरणीय पीएम और सीएम को जवाब देना चाहिए। हम इस दुख की घड़ी में मुकेश सहनी जी के परिवार के साथ खड़े हैं।

भाजपा की गलत नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हमारे जवान : राहुल गांधी

जम्मू-कश्मीर के डोडा में ड्यूटी के दौरान चार सैनिकों की मौत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि भारत के सैनिक और उनके परिवार भाजपा की गलत नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हैं। इसको लेकर राहुल गांधी ने एक एक्स पोस्ट किया है। अपने पेस्ट में राहुल ने लिखा कि आज जम्मू कश्मीर में फिर से एक आतंकी मुठभेड़ में हमारे जवान शहीद हो गए। शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों को गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक ऐसी भयानक घटनाएं बेहद दुखद और चिंताजनक है। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार की भी आलोचना की। राहुल ने कहा कि हर देशभक्त भारतीय की यह मांग है कि सरकार बार-बार हो रही सुरक्षा चूकों की पूरी जवाबदेही ले कर देश और जवानों के गुनहगारों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता से खड़ा है।

प्रियंका गांधी ने व्यक्त की संवेदना

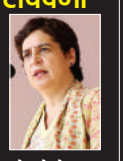

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी डोडा आतंकी हमले पर दुख जताया। उन्होंने लिखा कि डोडा, जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में सेना के एक अधिकारी समेत चार जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है। डोडा, जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में सेना के एक अधिकारी समेत चार जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है।ईश्वर दिवंगत आत्माओं को श्रीचरणों में स्थान दें।

झूठी शेखी बघार रही सरकार : खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने डोडा में हुए आतंकी हमले पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि जम्मू-कश्मीर के डोडा में आतंकी मुठभेड़ में एक अधिकारी समेत 4 बहादुर सेना के जवानों की शहादत से बेहद दुखी हूं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ऐसे काम कर रही है जैसे सब कुछ सामान्य रूप से चल रहा है और कुछ भी नहीं बदला है।

घुसपैठ रोकने की जिम्मेदारी किसकी है : महबूबा

पीडीपी प्रमुख और जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने केंद्र की मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। इसके साथ ही उन्होंने डीजीपी की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि कोई जवाबदेही नहीं है। अब तक तो सिर घूम जाना चाहिए था। डीजीपी को बर्खास्त कर देना चाहिए था। पिछले 32 महीनों में लगभग 50 सैनिक अपनी जान गंवा चुके हैं। मौजूदा डीजीपी राजनीतिक तौर पर चीजों को ठीक करने में लगे हैं। उनका काम पीडीपी को तोड़ना, लोगों और पत्रकारों को परेशान करना और लोगों को धमकाना है।

विस चुनावों में होगा भाजपा का सफाया : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- ज्यादा दिन नहीं चलेगी केंद्र सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार चलने वाली नहीं है। ये सरकार गिरने वाली है। भाजपा सरकार की नीतियों से जनता त्रस्त है। भाजपा अभी भी जनता को धोखा देने में लगी है। जनता ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को करारा सबक सिखाया है। अब आगामी विधानसभा चुनाव में भी जनता भाजपा का सफाया करके ही दम लेगी।

अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने लक्ष्य की तरफ तेजी से ब? रही है। वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव की चुनौती सामने है। सभी कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा और एकजुटता से लगे रहना है। अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान और लोकतंत्र बचाने की समाजवादी पार्टी की बड़ी लड़ाई है। समाजवादी पार्टी जातीय जनगणना और सामाजिक न्याय के प्रति संकल्पित है। समाजवादी पार्टी चाहती है कि जातीय जनगणना हो ताकि लोगों की समानुपातिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने सुल्तानपुर निवासी पार्टी कार्यकर्ता विकास पुष्पकार को भी सम्मानित किया।

बीजेपी के मुंह से किसी के बारे में अच्छा नहीं निकलता

भूपेंद्र चौधरी ने सपा के अंदर चल रही इसी कशमकश को हवा देते हुए कहा कि कांग्रेस की नजर सपा के मुस्लिम वोट बैंक पर पड़ गई है। उन्होंने अखिलेश यादव का नाम लेते हुए कहा कि आपको (अखिलेश) सावधान कर रहा हूं कि कांग्रेस भस्मासुर है। भाजपा का यह दांव सामने आते ही सपा अध्यक्ष अखिलेश ने भी तत्काल सार्वजनिक जवाब देना ठीक समझा। उन्होंने आजादी के आंदोलन में भाजपा (संघ परिवार) पर अपनों को धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके मुंह से किसी के संबंधों के भविष्य के बारे में बातें अच्छी नहीं लगतीं।

सपा दूसरे राज्यों में तैयार करेगी जमीन

सांविधानिक पद पर रहे सपा के एक नेता कहते हैं कि विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस का साथ लेना या इस चुनाव में यहां कांग्रेस का पैर जमाना दूरगामी राजनीति के लिहाज से सपा के लिए नुकसानदायी हो सकता है। यही वजह है कि सपा हरियाणा व महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों के चुनाव में इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस से सीटें मांग रही है। अगर बात मानी जाती है तो ठीक, वरना कांग्रेस का विपरीत रुख राज्य विधानसभा चुनाव में सपा को अलग राह पकड़ने का अवसर देगा।

देश की जनता भाजपा की नीतियों से दुखी है : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» समीक्षा बैठक में बोलीं- कांग्रेस भी समस्याओं का समाधान नहीं

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि उत्तराखंड में जनता भाजपा सरकार की गलत नीतियों व द्वेषपूर्ण कार्यशैली से लोग दु:खी हैं। हालांकि, कांग्रेस भी उनकी गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, असुरक्षा आदि से त्रस्त जीवन का समाधान नहीं है। वो उत्तराखंड के बसपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ समीक्षा बैठक में बोल रही थीं।

उन्होंने एक्स पर कहा कि उत्तराखण्ड में पार्टी संगठन के कार्यों, पार्टी के जनाधार को बढ़ाने तथा बसपा पार्टी व मूवमेन्ट से जुड़े खास मुद्दों के साथ ही राज्य में हाल में हुए विधानसभा उपचुनाव आदि पर पार्टी के वरिष्ठ व जिम्मेदार लोगों के साथ नई दिल्ली में सोमवार को आयोजित बैठक में गहन समीक्षा की गई। कुल मिलाकर, उत्तराखंड में भाजपा सरकार की गलत नीतियों व द्वेषपूर्ण कार्यशैली से लोग दु:खी हैं, जिसको लेकर जनता को जागरुक करना है कि कांग्रेस भी उनकी गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, असुरक्षा आदि से त्रस्त जीवन का समाधान नहीं है बल्कि बहुजनों को खुद अपने पैरों

पर खड़ा होना है। बता दें कि उत्तराखंड में हुए उपचुनाव में भाजपा को दो सीटों पर हार मिली है। यहां की बद्रीनाथ सीट पर भी भाजपा की हार हुई है।

हरियाणा में अपराधी-लुटेरे हो गये हावी : दुष्यंत चौटाला

» कानून-व्यवस्था को लेकर बीजेपी सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इस साल के अंत में होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव पर चौटाला ने कहा कि हरियाणा के लोग राष्ट्रीय पार्टियों को खारिज कर देंगे और क्षेत्रीय दलों को मजबूत करेंगे। जननायक जनता पार्टी (जजपा) नेता दुष्यंत चौटाला ने नायब सिंह सैनी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि हरियाणा में कानून व्यवस्था 'बहुत खराब' है तथा अपराधी एवं लुटेरे हावी हैं।

चौटाला ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सैनी ने शपथ लेने के बाद अपराधियों को चेतावनी दी थी कि वे राज्य छोड़कर चले जाएं। उन्होंने एक बयान में आरोप लगाया, ''आज राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब है कि फिरौती, डकैती, गोलीबारी, हत्या जैसी घटनाएं खुलेआम हो रही हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने हांसी में जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) नेता रवींद्र सैनी की

उपचुनाव में कांग्रेस और भाजपा को लोगों ने किया खारिज

सात राज्यों में 13 सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजों पर चौटाला ने कहा कि लोगों ने कांग्रेस और भाजपा को खारिज कर दिया है और क्षेत्रीय दलों पर भरोसा जताया है। इस साल के अंत में होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव पर चौटाला ने कहा कि हरियाणा के लोग राष्ट्रीय पार्टियों को खारिज कर देंगे और क्षेत्रीय दलों को मजबूत करेंगे।

हत्या, सोनीपत में एक दूधवाले की हत्या और हिसार में एक शोरूम में गोलीबारी की घटना सहित कुछ घटनाओं की ओर इशारा करते हुए दावा किया कि कानून और व्यवस्था की स्थिति 'खराब' हो गई है। उन्होंने कहा कि इस तरह की सभी घटनाएं साबित करती हैं कि सैनी का गृह मंत्री के रूप में पुलिस पर कोई नियंत्रण नहीं है।

भाजपा व जेडीएस झूठ फैला रही : सिद्धारमैया

बोले- मैं राजनीतिक रूप से दुर्भावनापूर्ण आलोचनाओं से नहीं डरता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु । कर्नाटक विधानमंडल के दोनों सदनों में सरकारी निगम में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर विपक्षी दलों द्वारा राज्य सरकार पर निशाना साधने और मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण 'घोटाले' का मुद्दा उठाने की उनकी योजना के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राजनीतिक रूप से दुर्भावनापूर्ण आलोचना के डर से चुप होकर बैठ जाना उनका स्वभाव नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके पास विपक्ष के हर शब्द का जवाब है।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) पर मीडिया के सामने झूठ बोलकर 'हिट एंड रन' रणनीति अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि सदन (विधानसभा/परिषद) में इसकी अनुमति नहीं दी जाएगी। सिद्धारमैया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''विपक्षी दलों के आरोप कितने सच हैं? कितने झूठ? हम इसे इस सदन में प्रकाश में लाएंगे। राजनीतिक रूप से दुर्भावनापूर्ण आलोचना

के डर से चुप होकर बैठ जाना मेरे स्वभाव में नहीं है। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड से जुड़ा अवैध धन अंतरण का मुद्दा तब सामने आया, जब इसके लेखा अधीक्षक चन्द्रशेखर पी ने 26 मई को आत्महत्या कर ली और अपने पीछे एक सुसाइड नोट छोड़ गए। सुसाइड नोट में यह आरोप लगाया गया है कि निगम से संबंधित 187 करोड़ रुपये का अनधिकृत रूप से अंतरण इसके बैंक खाते से किया गया और इसमें से 88.62 करोड़ रुपये को अवैध रूप से विभिन्न खातों में अंतरित किया गया जो कथित तौर पर जानीमानी आईटी कंपनियों और हैदराबाद स्थित एक सहकारी बैंक समेत अन्य से संबंधित हैं। अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी नागेंद्र ने अपने खिलाफ आरोपों के बाद छह जून को इस्तीफा दे दिया था।

विधानसभा में हर मुद्दे का जवाब देंगे : डीके शिवकुमार

एमयूडीए मामले में भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, ''उन्हें विधानसभा में अपना मुद्दा उठाने दें, हम इसका जवाब देंगे, चाहे यह एमयूडीए हो या कोई अन्य मामला हो। एमयूडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ जमीन के बदले आधे-आधे की अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहां एमयूडीए ने एक आवासीय 'लेआउट' विकसित किया था। विवादास्पद योजना में लेआउट बनाने के लिए अधिग्रहीत अविकसित भूमि के बदले भूमि खोने वालों को विकसित भूमि का 50 प्रतिशत आवंटित करने की परिकल्पना की गई है। भजपा और जद(एस) ने इन दोनों मामलों में सिद्धारमैया के इस्तीफे और सीबीआई जांच की मांग की है।

भाजपा को महंगाई व जनता की परेशानी नहीं दिख रही : अजय

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- संस्थाओं का संघीकरण हो रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा संस्थाओं का संघीकरण कर रही है। शिक्षण संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। कॉलेज के हॉस्टल व गेस्ट हाउस में संघ के प्रचारक रुक रहे हैं। जो दुष्कर्म जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। बीएचयू इसका प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि भाजपा को महंगाई नहीं दिख रही है जबकि

जनता परेशान है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार निवेश को लेकर झूठ बोल रही है। सरकार का दावा है कि जितना पूरे भारत में निवेश हुआ है उसका 66 प्रतिशत यूपी में हुआ है। यह दावा झूठा है। सरकार को बताना चाहिए कि पिछले पांच साल में प्रदेश में कितना निवेश हुआ है।

रास में सीटों के घटने से बीजेपी पर दबाव

उच्च सदन में एनडीए की संख्या घटकर हुई 101

» कई रास सांसद होने वालें हैं रिटायर

» एनडीए सरकार को बिल पास करवाने में करनी पड़ेगी मशक्कत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोक सभा में कमजोर होने का असर बीजेपी को राज्य सभा में भी भुगतना पड़ सकता है ऐसा माना जा रहा है राज्य सभा के कई सदस्यों के रिटायर होने के बाद नए सदस्य चुने जाएंगे। राज्यसभा में 4 सांसद रिटायर होने से घटकर 86 पर बीजेपी आ जाएगी। तो इससे वह कमजोर पड़ेगी और कई बिल पास करवाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। संसद के उच्च सदन राज्य सभा में अधिकाधिक 250 सदस्य हो सकते हैं। इनमें 238 सदस्य राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के प्रतिनिधि हो सकते हैं और 12 सदस्यों को देश के राष्ट्रपति द्वारा नामांकित किया जाता है। संसद में लोकसभा और राज्यसभा में जब-जब सत्ताधारी पार्टी के सांसदों की संख्या कम होती है, तब-तब सरकार के कामकाज पर इसका असर दिखाई देता है।

सरकार ऐसे में कुछ अहम बिलों को विपक्ष के अड़ंगे के कारण पास नहीं करा पाती। हालांकि, कई बार विपक्ष किन्हीं बिलों पर सही सवाल भी उठाता है, हाल ही में राज्यसभा में 4 सांसद रिटायर हो गए। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि अब बीजेपी की रणनीति क्या रहेगी, क्योंकि कुछ दिनों में बजट पेश होने जा रहा है। एक सवाल ये भी है कि क्या संसद में बीजेपी के सांसदों के घटने से नए बिल अटकेंगे?

राज्यसभा में 226 सांसद हैं और 19 सांसदों के पद खाली

सोनल मानसिंह, राकेश सिन्हा, राम सकल और महेश जेठमलानी 13 जुलाई को संसद के ऊपरी सदन से रिटायर हो गए। बीजेपी के लिए यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि ये सभी मनोनीत सांसद उन्हीं के पक्ष में थे। अभी राज्यसभा में 226 सांसद हैं और 19 सांसदों के पद खाली है। ऐसे में एनडीए के सामने बिलों को पास कराने में कुछ मुश्किलें आ सकती हैं। हालांकि, बीजेपी के समर्थन में 7 गुटनिरपेक्ष मनोनीत सांसद, 2 निर्दलीय और एआईएडीएमके और वाइएसआरसीपी जैसे दल हैं। लेकिन बीजेपी हमेशा अपने दम पर काम करती नजर आई है।

राज्यसभा में सीटों का गणित

नियम के मुताबिक, राष्ट्रपति राज्यसभा में 12 सदस्यों को मनोनीत करते हैं। मौजूदा राज्यसभा में फिलहाल 7 सांसद ऐसे हैं, जो अभी तक गुटनिरपेक्ष नजर आए हैं, इसके अलावा राज्यसभा में 19 पद खाली हैं, इनमें 4 मनोनीत सदस्य, 4 जम्मू-कश्मीर से, असम, बिहार और महाराष्ट्र में 2-2, हरियाणा, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान और त्रिपुरा में 1-1 है। अगर 19 सीटें जल्द ही भर जाती हैं, तो इसमें से 8 संभवत: एनडीए के खाते में आएंगी। इस तरह से एनडीए की संख्या राज्यसभा में 109 हो जाएगी। वहीं, कांग्रेस को एक सीट मिलने की संभावना है और विपक्षी गठबंधन इंडिया की बात करें, तो उनके खाते में 3 राज्यसभा सीटें बढ़ने की उम्मीद है। बता दें कि संसद के उच्च सदन राज्य सभा में अधिकाधिक 250 सदस्य हो सकते हैं। इनमें 238 सदस्य राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के प्रतिनिधि हो सकते हैं और 12 सदस्यों को देश के राष्ट्रपति द्वारा नामांकित किया जाता है। राज्य सभा एक स्थायी निकाय है, जिसे कभी भंग नहीं किया जा सकता है। राज्यसभा के एक तिहाई सदस्य प्रत्येक दूसरे वर्ष सेवानिवृत्त होते हैं और नए सदस्य उनका स्थान लेते हैं। प्रत्येक सदस्य को 6 वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित किया जाता है।

भाजपा को घेरने की तैयारी

नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस यानी एनडीए का संख्या बल राज्यसभा में घटकर 101 रहे गया है। बीते शनिवार को 4 मनोनीत सदस्य रिटायर हो गए, जिससे यह स्थिति उत्पन्न हुई है। इधर, कांग्रेस भी राज्यसभा में बीजेपी को घेरने के लिए रणनीति बना रही है। राजनीति के जानकारों की मानें तो कांग्रेस ऊपरी सदन में नेता प्रतिपक्ष का पद अपने हिस्से में इसलिए ही करना चाहती है, ताकि वह एनडीए को घेर सके बीजेपी भी कांग्रेस की इस चाल को समझ रही है। इसलिए बीजेपी भी एक अलग रणनीति पर काम कर रही है।

बीजेपी के लिए आगे की राह मुश्किल

इस महीने बजट पेश होने जा रहा है। एनडीए इस दौरान कुछ अहम बिल पास कराने का इरादा रखती है। एनडीए के समर्थन में अभी संख्या बल नजर आ रहा है, लेकिन लंबे समय तक ऐसी स्थिति चलना बेहद मुश्किल है। ऐसे में बीजेपी की रणनीति अन्य पर निर्भरता जल्द से जल्द कम करने की है इसके लिए एनडीए मनोनीत वर्ग में जल्दी सांसदों को सदन में लाने पर काम कर रही है। अगर ऐसा हो जाता है, तो बीजेपी की सहयोगियों पर निर्भरता कम हो जाएगी। ऐसे में विपक्ष भी ज्यादा हो-हल्ला नहीं कर पाएगा।

बीजेपी में हार पर समीक्षा छोड़ सब पर चर्चा

» इधर-उधर की बातों में गुजरी कार्यसमिति की बैठक

» नेताओं की बातों में उभरा अंदर खाने सब ठीक नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में इंडिया गठबंधन के हाथों मात खाई और लोस सभा में सीटों के कम होने बीजेपी सहम गई है। उसने हार के कारणों पर माथापच्ची शुरू कर दी है। इसी सिलसिल में राजधानी लखनऊ में भाजपा कार्यसमिति की बैठक हुई। बैठक में जामे लब्बोलुआब निकला वो तो यही इशारा कर रही यूपी की राज्य ईकाई और सरकार के बीच सब ठीक नहीं चल रह है। जहां सीएम योगी के कह रहे बैकफुट पर न जाएं कार्यकर्ता वहीं संगठन के पदाधिकारी के सुर अलग हैं।

उधर इसी बैठक में उपमुख्यमंत्री केशव मौर्या का यह भाषण कि संगठन सरकार से बड़ा होता है और कार्यकर्ताओं से ये कहना आपकी दुख की तरह मेरा भी दुख है वही भाजपा में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है की ओर इशारा करता है। उधर भाजपा के राज्य अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी का अखिलेश को सलाह देना कि उन्हे कांग्रेस से सतर्क रहना चाहिए भी लोगों के आलोचना की वजह बन रही है। लोग तो यहां तक चर्चा कर रहे कि बीजेपी की इस बैठक आत्ममंथन से ज्यादा, दूसरों पर चिंतन दिखाई दिया। वहीं बहुत से कायकर्ता भाजपा कार्यसमिति सवालों से कन्नी काटते दिखी। दरअसल लोगों को उम्मीद तो थी कि बैठक में लोकसभा चुनाव में प्रदेश में हुई पराजय के कारणों पर खुले दिल और दिमाग से मंथन होगा। उन सवालों पर बात होगी जिनके कारण प्रदेश में भाजपा कम से कम लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पहले नंबर से दूसरे पर जाती दिखी है। उन कारणों पर ईमानदारी से चर्चा होगी जिनके कारण उत्तर प्रदेश में भाजपा को अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। पराजय की समीक्षा बैठक की रिपोर्टों से निकले निष्कर्षों पर चर्चा होगी और भविष्य के लिए कोई ठोस कार्ययोजना उभरेगी जो भाजपा के जनाधार को फिर 2014, 2017, 2019 और 2022 की स्थिति में पहुंचाने की कार्यकर्ताओं की आकांक्षाओं को परवान देती दिखी। पर, कार्यसमिति की बैठक सारे सवालों से कन्नी काटते दिखी।

अपनी नही विपक्ष की बात करते रहे नेता

ज्यादा जोर इस बात पर रहा कि कार्यसमिति के सदस्य लखनऊ से लौटकर जाएं तो हार पर माथा न पीटें बल्कि देश में लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार बनने की उपलब्धि का प्रचार करें। कार्यकर्ताओं में उत्साह भरें और लोगों को यह समझाएं कि भाजपा सरकार बनने के कारण हिंदू समाज पर से कितना बड़ा खतरा टल गया है। भाजपा का खोया जनाधार वापस पाने के लिए क्या-क्या होना चाहिए। मितरघातियों से भाजपा नेतृत्व किस तरह निपटने जा रहे हैं। कार्यसमिति की बैठक में जरूरी मुद्दों पर चर्चा के बजाए सबसे अधिक जरूरी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रसे सांसद राहुल गांधी के सियासी रणनीति को झुठलाने की रही।

नेताओं के बयानों पर चर्चा नहीं हुई

इस बात पर बैठक में कोई चर्चा नहीं हुई कि उन नेताओं पर क्या कार्रवाई की गई जिन्होंने 400 पार होने पर संविधान बदलने का बयान दिया था। मंथन इस बात पर करने की जरूरत भी नहीं समझी गई कि पार्टी के कई प्रमुख नेताओं के इलाकों में भाजपा कोई वोट क्यों नहीं मिली। इस सवाल पर भी कोई बात करने की जरूरत नहीं समझी गई कि अति पिछड़ी जातियों में भाजपा के कोर मतदाता समझी जानी वाली जातियां क्यों छिटक गईं। सवालों पर मनन-मंथन करने से ज्यादा बैठक में नेतृत्व का फोकस सफाई देने और राहुल-अखिलेश की सफलता से हिंदू समाज पर मंडराने वाले खतरे के बारे में बताने पर रहा।

उम्मीद से परे रही बैठक

वैसे भी एक दिवसीय कार्यसमिति की बैठक में बहुत विस्तार से चर्चा होने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। वह भी तब मंच पर अतिथियों की लंबी लाइन हो और वक्ता भी कई। उद्घाटन से लेकर राजनीतिक प्रस्ताव पारित होने और समापन तक के कार्यक्र मों में उसी पुरानी बात को बार-बार दोहराया गया जो लोकसभा चुनाव नतीजे आने के बाद भाजपा नेताओं से लेकर राजनीतिक विश्लेषक कहते रहे हैं। वह यह कि विपक्ष के संविधान बदलने, आरक्षण समाप्त करने और महिलाओं के खाते में खटाखट 8000 रुपये भेजने के मिथ्या प्रचार के कारण भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। उस बात की चर्चा नहीं हुई, जिस बात से भाजपा को लोकसभा चुनाव में नुकसान हुआ।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आखिर कब रूकेगा दुनिया में जनसंहार!

अब समय आ गया है कि संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाएं दखल करके दोनों लड़ाईयों को समाप्त करवाएं। उधर इस्राइली नेतृत्व निर्भीक होकर ढीठ बना ताकत की हनक में डूबा पड़ा है, और अंतर्राष्ट्रीय कानून की पूरी तरह अवमानना करने के बावजूद लाभ ले रहा है। बुजुर्ग औरतों को अपने युवा बेटों की लाशों पर पीड़ा से क्रंदन करते देख किसी की भी आंखों में आंसू आ जाएं, लेकिन सरकारें निर्विकार बनी हुई हैं।

गत शनिवार को गाजा में 71 लोगों की जान इसराइल के हमले में चली गई। पिछले कई महीनों से गाजा में जिस तरह बेगुनाह नागरिकों का नरसंहार, बेइज्जती और उत्पीड़न देखने को मिल रहा है और उस पर शांति कायम रखवाने वाली एजेंसियां बेशर्मी से निष्क्रिय और मरणासन्न बनी हुई हैं, वह एक सभ्यतागत त्रासदी है। इन युद्धों में सबसे ज्यादा महिलाएं व बच्चे मारे जाते हैं। यही हाल कमोवेश यूक्रेन व रूस की लड़ाई में है वहां बड़े स्तर पर लोगों की जान जा रही है। अब समय आ गया है कि संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाएं दखल करके दोनों लड़ाईयों को समाप्त करवाएं। उधर इस्राइली नेतृत्व निर्भीक होकर ढीठ बना ताकत की हनक में डूबा पड़ा है, और अंतर्राष्ट्रीय कानून की पूरी तरह अवमानना करने के बावजूद लाभ ले रहा है। बुजुर्ग औरतों को अपने युवा बेटों की लाशों पर पीड़ा से क्रंदन करते देख किसी की भी आंखों में आंसू आ जाएं, लेकिन सरकारें निर्विकार बनी हुई हैं। विशेषकर अमेरिका की, जिसने संयुक्त राष्ट्र में शांति स्थापना को लेकर पेश किए गए प्रस्ताव को पुन: ढिठाई से वीटो कर दिया है।

इससे सत्य और नैतिकता युक्त अंतरात्मा की आवाज दबकर रह गई है। जैसा कि नाटककार हैरोल्ड पिंटर ने कहा है, 'सत्य की खोज कभी बंद नहीं हो सकती', खासकर ऐसे अंधे वक्त में, जब नाना किस्मों के झूठों ने हमें भरमा रखा है और व्हाइट हाउस एवं बड़े कॉर्पोरेट्स द्वारा पोषित आतंकवाद की करतूतें दुनियाभर में जारी हैं। कफन में लिपटी अपनी पत्नी के शव पर पति को सिर रखकर रोते देखना हृदयविदारक है। एक मां रानिया अबू ने कुछ दिन पहले पति गंवा दिया था और अब चार महीने के जुड़वां बेटा-बेटी में बेटे को भी। अपने पुत्र की लाश पर हाथ मार बिलखती वह मां पीड़ा में उसकी देह को दफन के लिए ले जाने से रोकती हुई दुहाई देती है, 'मेरे जिगर का टुकड़ा चला गया, हम तो सो रहे थे न कि गोलियां चला रहे थे, न ही हम लड़ रहे थे। उसका कसूर क्या था? अब मैं कैसे जी पाऊंगी?' बेटे की दुधमुंही जुड़वां बहन, जो रिश्तेदारों की गोद में कपड़ों में लिपटी पड़ी है, वह भी सुबक रही है लेकिन उसे क्या पता कि मां पर क्या गुजरी है। जिस तरह उसका भाई और अन्य परिवार वाले चले गए उस तरह जाने कितने हजार अन्य भी पत्थर हो चुके हमारे मानवीय मूल्यों के जागने से पहले चले जाएंगे। बेगुनाह हमेशा भुगतते आए हैं। हालांकि इस युद्ध को रोकने के लिए ईरान, सऊदी अरब , अमेरिका व इंग्लैंड जैसे देशों ने भी पहल किया पर उतनी कामयाबी नहीं मिली। इस युद्ध के न रूकने का सबसे बड़ा कारण जो दिखाई दे रहा है वह तो यही दिखाई दे रहा है फिलिस्तीन व इसराइल दोनो झुकने को तैयार नहीं है। उन दोनों के जिद में आमजन, निरीह औरतें व मासूम बच्चें मारे जा रहे हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रूस-ऑस्ट्रिया की यात्राओं से भारत की नई उड़ान

ललित गर्ग

भारत की रूस से दोस्ती तो बहुत पुरानी है, लेकिन अमेरिका, ऑस्ट्रिया या अन्य नए देशों से दोस्ती का यह मतलब नहीं है कि अपने पुराने साथियों से दूर हो जाएं। इजरायल और फिलिस्तीन के मामले में भी यह देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा के निष्कर्षों के साथ-साथ इसके वैश्विक निहितार्थ भी तलाशे जा रहे हैं। इन दोनों देशों की राजकीय यात्रा अनेक दृष्टियों से नई उम्मीदों को पंख लगाने के साथ भारत को शक्तिशाली बनाने वाली होगी। दोनों देशों की यात्रा के दौरान हुए विभिन्न समझौते भारत की तकनीकी एवं सामरिक जरूरतों को पूरा करने में अहम कदम साबित होंगे। सैन्य उत्पाद, व्यापार व उद्योग के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रूस और ऑस्ट्रिया के साथ द्विपक्षीय सहयोग ने नई उम्मीदें जगाई हैं। इन यात्राओं के दौरान प्रधानमंत्री ने जो प्रयास किए वे मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भरता के प्रयास, नये भारत-सशक्त भारत एवं सतत विकास की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होंगे।

निश्चित ही प्रधानमंत्री मोदी के प्रति इन दोनों देशों में जो सम्मानभावना देखने को मिली, उससे यही कहा जा सकता है कि मोदी विश्व-नेता के रूप में स्वतंत्र पहचान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहे हैं, जो भारत के लिये शुभ है। निश्चित तौर पर वैश्विक राजनीति में अपनी चमक के साथ आगे बढ़ते भारत के लिये रूस की यात्रा कई मायनों में बहुत उपयोगी एवं दूरगामी रही। इस यात्रा के दौरान भारत और रूस के बीच हुई 22वीं द्विपक्षीय बैठक में हुए नए समझौते काफी अहम हैं। रूस के युद्ध में फंसे होने के कारण रक्षा जरूरतों से संबंधित आपूर्ति में बाधा होना हमारे लिए चिंता की बात थी लेकिन मेक इन इंडिया के तहत भारत में ही रक्षा उपकरणों के स्पेयर पार्ट्स का प्लांट लगाने पर सहमति जताकर पुतिन ने बड़ी चिंता का समाधान कर दिया है। दोनों देशों के बीच का व्यापार 2030 तक 65 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक करने पर भी सहमति बनी है। यह भारत-रूस के विशेष रिश्ते को और मजबूत करने वाले होंगे। भारत-रूस की दोस्ती की गर्माहट से चीन एवं पाकिस्तान की बौखलाहट भी देखने को मिली है।

यूक्रेन और गाजा में युद्धों की पृष्ठभूमि के बीच प्रधानमंत्री मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा पर दुनिया की नजरे लगी रही। एक ध्रुवरीय विश्व

व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कर रहे अमरीका और बहुध्रुवरीय विश्व व्यवस्था में अपना हित देख रहे रूस के बीच भारत की स्थिति एवं उसकी बढ़ती ताकत का भी विश्लेषण किया जा रहा है। मास्को में प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के गले मिलने पर यूक्रेन की नाराजगी के बावजूद अमरीका की सधी प्रतिक्रिया सामने आयी कि इससे उसके भारत से रिश्तों पर कोई असर नहीं होगा। निश्चित ही इससे यह साफ हो जाता है कि दुनिया अब एक या दो ध्रुवरीय नहीं रही। अमेरीका यह जान रहा है कि चीन के तानाशाही भरे रवैये से निपटने के लिए भारत का साथ आवश्यक है। वास्तव में इस आवश्यकता ने भी अमेरीका में भारत की अहमियत बढ़ाने का काम किया है। यह अहमियत यही बता रही है कि अब भारत का समय आ गया है। वास्तव में आज अमेरीका ही नहीं, विश्व का हर प्रमुख देश भारत को अपने साथ रखना आवश्यक समझ रहा है। कहना न होगा कि वैश्विक मंच पर योग का विषय हो, या अहिंसा का या फिर आतंकवाद से निपटने का, जलवायु परिवर्तन का मसला हो या फिर जी-20 देशों की अध्यक्षता की बात, भारत, दुनिया को नई दिशा दे रहा है, नई उम्मीदें जगा रहा है। एक नई ताकत एवं सशक्त अर्थ-व्यवस्था के साथ एक नया ध्रुव बनकर उभर रहा भारत समूची दुनिया की नजरों का ताज बना हुआ है। भारत अब बिना किसी दबाव के किसी भी अन्य ताकतवर देश की नाराजगी मोल लेने का हौसला रखता है। शीतयुद्ध के दौर में दो ध्रुवरीय विश्व व्यवस्था के बाद एक धुवीय व्यवस्था का अनुभव दुनिया को मिल चुका है। अब बहुध्रुवरीय विश्व व्यवस्था में ही संभावनाएं देखी जा रही हैं। ग्लोबल साउथ की आवाज बन भारत वैश्विक भूमिका को खुलकर प्रदर्शित भी कर रहा है।

अनेक संकटों से घिरा होकर भी भारत अपनी बात बुलन्दी के साथ दुनिया के सामने रखता रहा है, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री के तीनों कार्यकाल में भारत ने अपने शक्तिशाली होने का भान कराया है। भारत की रूस से दोस्ती तो बहुत पुरानी है, लेकिन अमेरिका, ऑस्ट्रिया या अन्य नए देशों से दोस्ती का यह मतलब नहीं है कि अपने पुराने साथियों से दूर हो जाएं। इजरायल और फिलिस्तीन के मामले में भी यह देखा जा सकता है। इजरायल से नई दोस्ती के बावजूद फिलिस्तीन पर हमारी रणनीति नहीं बदली है। उसी तरह रूस से अच्छे संबंध का यह मतलब नहीं कि यूक्रेन के मामले में उसे क्लीन चिट दे दें।

तीन साल में योगी आदित्यनाथ कितने बदल पायेंगे हालात

अजय कुमार

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश में काफी नुकसान उठाना पड़ा। यूपी की वजह से केंद्र में मोदी की पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बन पाई, जो बीजेपी यूपी में 80 सीटें जीतने का सपना पाले हुए थी, वह 33 सीटों पर सिमट गई। बीजेपी का ग्राफ इतनी तेजी से गिरा की अब तो विपक्षी नेता खासकर राहुल गांधी और अखिलेश यादव तो दिल्ली में मोदी को सबक सिखाने के पश्चात तीन साल बाद 2027 में योगी को भी धूल चटाने की बात करने लगे हैं। 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव होने हैं और तब योगी की प्रतिष्ठा दांव पर होगी। 2027 के चुनाव में जहां राहुल गांधी और अखिलेश यादव बढ़े हुए मनोबल के साथ मैदान में उतरेंगे, वहीं बीजेपी को 2024 के नतीजे कचोटते रहेंगे, जबकि भारतीय जनता पार्टी 2024 जैसे चुनावी नतीजे 2027 विधानसभा चुनाव में नहीं देखना चाहती है। इसीलिये बीजेपी आलाकमान के साथ-साथ सीएम योगी आत्यिनाथ उन मुद्दों की धार कुंद करने में लग गये हैं जिसके सहारे कांग्रेस-सपा गठबंधन ने बीजेपी को आईना दिखाया था।

लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने संविधान, दलित ओबीसी आरक्षण, बेरोजगारी, महंगाई को बीजेपी के खिलाफ सबसे मजबूत चुनावी हथियार बनाया था। अबकी से राहुल के मुंह से अडानी-अंबानी, नोटबंदी, राफेल विमान खरीद भ्रष्टाचार, चौकीदार चोर है, जैसे तमाम जुमले सुनने को नहीं मिले थे। राहुल गांधी के साथ-साथ अखिलेश यादव भी अपनी जनसभाओं में दो ही बातें दोहराते रहे, पहला मोदी को 400 सीटें मिली तो वह संविधान बदल देंगे, दूसरा दलितों और ओबीसी को मिलने वाला आरक्षण खत्म कर दिया जायेगा। इसके अलावा राहुल की महिलाओं को 8500 रूपये प्रति माह देने की गारंटी ने भी बीजेपी का खेल बिगाड़ दिया। चुनाव बाद भी जिस तरह से राहुल गांधी संविधान की किताब लिये घूम रहे हैं उसकी काट के लिये अब मोदी सरकार ने इमरजेंसी के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर कांग्रेस को घेरना शुरू कर दिया है। मोदी के मंत्री से लेकर छोटे-बड़े सभी नेता लगातार बता रहे हैं कि 1975 में किस तरह से तत्कालीन इंदिरा गांधी की सरकार ने इमरजेंसी लगाकर संविधान की आत्मा को तार-तार कर दिया था। सदन में तो इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव तक पास हो गया। सबसे खास बात यह रही कि मोदी सरकार जब इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाई तो इसके खिलाफ कांग्रेस सदन में अकेले ही खड़ी नजर आई। राहुल के सबसे मजबूत साथी समझे जाने वाले सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इमरजेंसी मुद्दे पर कांग्रेस के साथ नहीं गये। वहीं 2027 में विपक्ष एक बार फिर से बेरोजगारी को मुद्दा नहीं बना पाये इसके लिये योगी ने सभी खाली पड़े रिक्त पदों को भरने के लिये बम्पर नौकरियां निकाली हैं। अभी एक लाख नौकरियां निकाले जाने की बात कही जा रही है जिसका आंकड़ा 2027 के विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आने तक पांच लाख तक पहुंच सकता है। इसी के साथ पेपर लीक की घटनाओं पर अंकुश लगाने और इसमें लिप्त अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिये भी एसटीएफ तेजी से काम कर रही है। बेरोगारी और पेपर लीक की घटनाओं के चलते युवा वर्ग केन्द्र और राज्य सरकारों के खिलाफ काफी आक्रोशित है। उधर, इन युवाओं को गुस्से को विपक्ष हवा-पानी देने का काम कर रहा है। ऐसी ही एक मोदी सरकार की एक और योजना अग्निवीर भी सरकार के लिये बढ़ा मुद्दा बना हुआ है। विपक्ष लगातार इसे खत्म करने की मांग कर रहा है। इस योजना का दुष्प्रभाव मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में देख भी चुकी है। कुल मिलाकर योगी सरकार बम्बर नौकरियां निकाल कर विपक्ष को उसकी बेरोजगारी वाली सियासत से 'बेरोजगार' करना चाहती है। बात सरकार से हटकर संगठन स्तर की कि जाये तो लोकसभा चुनाव में यूपी से मिली चोट भाजपा को बेचैन किए हुए हैं। योगी की छवि पर भी प्रश्न चिन्ह लगा है। केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार के गठन के बाद भाजपा के जिम्मेदार अब यूपी में पार्टी के ग्राफ गिरने के कारणों की पड़ताल पर लगा है। पार्टी स्तर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल ने वोट में आई गिरावट को लेकर चर्चा की। तय किया गया है कि भाजपा के पक्ष में कम मतदान की जांच होगी। दरअसल, यूपी के चुनाव परिणाम से भाजपा के स्थानीय से लेकर शीर्ष नेतृत्व में हड़कंप मचा हुआ है। पिछले चुनाव की तुलना में इस बार करीब नौ फीसदी कम वोट मिले हैं। अब इन्हीं वोट का पता लगाने को लेकर माथापच्ची शुरू हो गई है कि आखिर यह वोट भाजपा से छिटक कर कहां गया। इसका पता करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसमें संगठन के पदाधिकारियों के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। फोर्स के सदस्य गांव-गांव जाकर यह पता लगाएंगे कि भाजपा के कोर वोटर माने जाने वाले ओबीसी और दलितों में सेंध किस दल ने लगाया है। यह भी पता लगाया जाएगा कि गैर यादव ओबीसी और गैर जाटव दलितों को भाजपा से बिदकाने में किन-किन लोगों का हाथ है। साथ ही भितरघात करने वाले पार्टी नेताओं का भी पता किया जाएगा। केंद्र में भले ही लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बन गई है लेकिन पार्टी के लिए सबसे मजबूत सियासी जमीन यूपी में खिसकने की टीस सभी नेताओं को हो रही है। इसलिए अब पार्टी ने नुकसान पहुंचाने वालों के साथ उन मतदाताओं के बारे में भी पता लगाने का फैसला किया गया है कि जो इस बार भाजपा के बजाए विपक्ष की तरफ खिसक गए हैं।

घर पर लीची से बनाएं स्वादिष्ट आइसक्रीम

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे गर्मी के मौसम में आइसक्रीम खाना पसंद नहीं होगा। बच्चे से लेकर बड़े तक इस मौसम में आइसक्रीम खाकर गर्मी दूर करते हैं। वैसे तो आपको बाजार में हर फ्लेवर की आइसक्रीम मिल जाती है, लेकिन बाजार की ज्यादा आइसक्रीम खाने से तबियत खराब होने का डर रहता है। ऐसे में आप चाहें तो घर पर ही स्वादिष्ट आइसक्रीम बनाकर अपने परिवारवालों को परोस सकती हैं। इस मौसम में वैसे भी लीची खाना काफी फायदेमंद होता है। लीची शरीर को ठंडक पहुंचाने का काम करती है। यही वजह है कि अगर आप घर पर लीची की आइसक्रीम बनाएंगे तो इसे हर कोई बड़े ही चाव से खाएगा। इसके साथ ही इसे खाने के बाद परिवार वाले आपकी तारीफ करते नहीं थकेंगे।

सामान

2 कप ताजा लीची, 1 कप कंडेंस्ड मिल्क, 1 कप फुल क्रीम दूध, 1 कप हैवी क्रीम, 1/2 कप चीनी, 1 टीस्पून वनीला एसेंस।

विधि

लीची की आइसक्रीम बनाने के लिए सबसे पहले लीची की प्यूरी बनाएं। इसके लिए लीची को धोकर उसका छिलका और बीज निकालें। इसके बाद लीची के गूदे को मिक्सर ग्राइंडर में डालकर प्यूरी बना लें। ध्यान रखें कि इसमें लीची के थोड़े टुकड़े रहने चाहिए। अगर प्यूरी में कुछ टुकड़े रह जाएंगे तो इससे आइसक्रीम में अच्छा टेक्सचर आएगा। प्यूरी बनाने के बाद एक बड़े कटोरे में कंडेंस्ड मिल्क, फुल क्रीम दूध, और चीनी मिलाएं। इसके बाद इस कटोरे में लीची की प्यूरी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद इसमें फेंटी हुई क्रीम को धीरे-धीरे मिलाते हुए लीची के मिश्रण में डालें। क्रीम मिलाते वक्त इसे फेंटे नहीं, बस हल्के हाथ से मिक्स करें। आखिर में इस मिश्रण में वनीला एसेंस डालें और अच्छी तरह से मिक्स करें। इससे आइसक्रीम में अच्छा स्वाद आएगा। अब इस मिश्रण को आइसक्रीम बनाने के सांचे में डालें और कम से कम 6-8 घंटे या पूरी रात के लिए जमने दें। जब ये आइसक्रीम जम जाए तो इसके ऊपर लीची का गूदा डालकर इसे परोसें। लीची की ये आइसक्रीम खाने में काफी स्वादिष्ट लगेगी।

घर पर तैयार करें ठंडी मैंगो लस्सी

भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में लोग हैवी भोजन करने की जगह हल्की चीजों का सेवन करना पसंद कर रहे हैं। खाने से ज्यादातर लोग ठंडे पेय पदार्थों का सेवन ज्यादा कर रहे हैं, ताकि उनकी सेहत भी दुरुस्त रहे और मन भी खुश रहे। गर्मी के इस मौसम में डॉक्टर्स भी लोगों को तरल पदार्थ पीने की सलाह देते हैं। इन पेय पदार्थों में मैंगो शेक भी शामिल है। आम खाने के साथ-साथ लोगों को इसका शेक भी काफी पसंद आता है। ये काफी आसानी से बन जाता है और साथ ही में पीने में भी काफी स्वादिष्ट लगता है। अगर मैंगो शेक पीकर बोर हो गए हैं तो इस बार मैंगो लस्सी बनाकर कुछ अलग ट्राई कर सकते हैं। मैंगो लस्सी पीने में काफी स्वादिष्ट लगती है। लस्सी होने की वजह से शरीर को काफी ठंडक पहुंचाती है। गर्मी के मौसम में दही के बने पेय पदार्थ काफी सही रहते हैं।

सामान

1 पका हुआ आम, 1 कप गाढ़ा दही, 1/2 कप दूध, 2-3 टेबलस्पून चीनी, 1/4 टीस्पून इलायची पाउडर, बर्फ के टुकड़े, कटे हुए मेवे (काजू, बादाम, पिस्ता)।

विधि

मैंगो लस्सी बनाने के लिए सबसे पहले आम के टुकड़ों को ब्लेंडर में डालकर अच्छी तरह से पीस लें ताकि एक स्मूद प्यूरी बन जाए। इसके बाद इसी ब्लेंडर में दही, दूध, चीनी और इलायची पाउडर डालें। सभी सामग्री को अच्छी तरह से तब तक ब्लेंड करें, जब तक मिश्रण स्मूद और क्रीमी न हो जाए। ध्यान रखें कि इसमें चीनी कम नहीं होनी चाहिए। फीकी मैंगो लस्सी पीने में काफी अजीब लगती है। जब स्वाद चख लें तो उसके बाद ब्लेंडर को बंद करें। अब इसे थोड़ी देर के लिए फ्रिज में रख दें। लस्सी अगर तुरंत परोसनी है तो आइस क्यूब के साथ मैंगो लस्सी को एक बार ब्लैंड कर दें, ताकि ये ठंडी हो जाए। इसके बाद एक कांच के गिलास में मैंगो लस्सी निकालें। अब मैंगो लस्सी को सजाने के लिए उसके ऊपर कटे हुए मेवे डालें। ठंडी-ठंडी मैंगो लस्सी आपके शरीर को राहत पहुंचाएगी।

हंसना मना है

मम्मी-किचन से जरा छोटी वाली गिलास ले लाना...पिंटू-मुझे यहां पर कहीं भी गिलास दिखाई नहीं दे रहा है ...मम्मी-चूल्हा दिखाई दे रहा है...पिंटू-हां...मम्मी- अब एक काम कर चूल्हा जला...अब उसके ऊपर अपना मोबइल रख दे...तब दिखेगी गिलास।

पति- क्या तुम्हें पता है कि गाने में इतनी ताकत होती है कि पानी भी गरम हो जाता है पत्नी- हां हां जरूर, क्यों नहीं जानती, अब तुम यही सोच लो अगर तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं।

संता बस में खड़ा था ब्रेक लगा तो एक लड़की पर जा गिरा, लड़की- बद्तमीज ...क्या कर रहे हो, संता- आईटीआई और आप? लड़की ने की चप्पलों से पिटाई।

संता पिंकी से-मुझे तुम्हें एक बात बोलनी है। पिंकी-बोलो बाबा, शर्मा क्यों रहे हो? संता-मेरे साथ चाय पे चलेगी? पिंकी-अरे नहीं बाबा चाय गर्म होती है, मेरे हाथ जल गए तो...

कहानी — लड़ती बकरियां और सियार

बहुत समय पहले की बात है। एक जंगल में किसी बात को लेकर दो बकरियों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े को वहां से गुजर रहा एक साधु देख रहा था। देखते ही देखते दो बकरियों में झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों आपस में लड़ने लगीं। उसी समय वहां से एक सियार भी गुजरा। वह बहुत भूखा था। जब उसने दोनों बकरियों को झगड़ते देखा, तो उसके मुंह में पानी आ गया। बकरियों की लड़ाई इतनी बढ़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे को लहूलुहान कर दिया था, लेकिन फिर भी लड़ना नहीं छोड़ रही थीं। दोनों बकरियों के शरीर खून निकलने लगा था। भूखे सियार ने जब जमीन पर फैले खून की तरफ देखा, तो उसे चाटने लगा और धीरे-धीरे उनके करीब जाने लगा। उसकी भूख और ज्यादा बढ़ गई थी। उसके मन में आया कि क्यों न दोनों बकरियों को मारकर अपनी भूख मिटाई जाए। वहीं, दूर खड़ा साधु यह सब देख रहा था। जब उसने सियार को दोनों बकरियों के बीच जाते हुए देखा, तो सोचा कि अगर सियार इन दोनों बकरियों के और करीब गया, तो उसे चोट लग सकती है। यहां तक कि उसकी जान भी जा सकती है। साधु अभी यह सोच ही रहा था कि सियार दोनों बकरियों के बीच पहुंच गया। बकरियों ने जैसे ही उसे अपने पास आते देखा, तो दोनों ने लड़ना छोड़कर उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सियार अपने आप को संभाल नहीं सका और चोटिल हो गया। वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागा। सियार को भागता देख बकरियों ने भी लड़ना छोड़ दिया और अपने घर लौट गईं। वहीं, साधु भी अपने घर की ओर चल दिया।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। साथ ही दूसरों की लड़ाई में नहीं कूदना चाहिए, इससे हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा।

वृषभ — परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है।

मिथुन — भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा।

कर्क — जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह — आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी।

कन्या — नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं।

तुला — प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्ययसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है।

वृश्चिक — यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है।

धनु — नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है।

मकर — निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें। परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी।

कुम्भ — सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मीन — थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

अंबानी की शादी में न पहुंचने का तापशी पन्नू ने बताया कारण

पूरे देश में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं। शादी के फंक्शन में दुनियाभर की मशहूर हस्तियों ने शिरकत की। स्पोर्ट्स और बॉलीवुड के लगभग सभी लोग अनंत और राधिका की शादी में शामिल हुए। प्रियंका चोपड़ा लॉस एंजेलिस से मुंबई सिर्फ अनंत और राधिका की शादी अटेंड करने के लिए आई थीं। जहां दुनियाभर की मशहूर हस्तियों ने अनंत और राधिका की वेडिंग सेरेमनी में शिरकत की कुछ सेलेब्स ऐसे भी रहे जिन्होंने शादी में न जाने का फैसला किया जिसमें तापसी पन्नू का नाम भी शामिल है। खुद एक्ट्रेस ने न जाने के कारण का खुलासा किया है। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी की तस्वीरें और वीडियोज हर तरफ छाए हुए हैं। इस सब के बीच तापसी पन्नू का भी एक वीडियो काफी शेयर किया जा रहा है। वीडियो एक्ट्रेस से पूछा जा रहा है कि क्या वो अंबानी की शादी में शिरकत करेंगी या नहीं। इसके जवाब में तापसी हंसते हुए कहती हैं नहीं। एक्ट्रेस का कहना है कि मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से नहीं जानती। मुझे लगता है कि शादी काफी निजी होने चाहिए। अपनी बात को जारी रखते हुए एक्ट्रेस ने आगे बताया कि वो बस तभी शादी में शामिल होना पसंद करती हैं, जब मेजबान परिवार और मेहमानों के बीच बातचीत हो। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि उनके बहुत सारे दोस्त होंगे, लेकिन मैं ऐसी शादी में जाना पसंद करती हूं, जहां कम से कम परिवार और मेहमानों के बीच किसी तरह की बातचीत हो। तापसी के अलावा भी कई बॉलीवुड सितारे रहे जो शादी में शामिल नहीं हुए थे, जिनमें करीना कपूर खान, करिश्मा कपूर, सैफ अली खान, कार्तिक आर्यन, अक्षय कुमार जैसे नाम शामिल हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन में कंगना ने किया ट्वीट, लिखा

देश की खातिर अपनी छाती पर गोली खाई

पेन्सिलवेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास किया गया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। ट्रंप के ऊपर गोली चलाई गई जो उनके कान को पार कर गई। इस मामले की चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। देश-विदेश के लोगों के अलावा राजनेता और अभिनेता भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आए हैं। पूर्व राष्ट्रपति पर गोलीबारी की घटना से अभिनेत्री-राजनेत्री कंगना रणौत सकते में हैं। साथ ही पोस्ट कर अपना मत रखती नजर आई हैं।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास पर अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए कंगना रणौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी का सहारा लिया। उन्होंने पेन्सिलवेनिया रैली से ट्रंप की दो तस्वीरें साझा कीं। इन फोटो में ट्रंप जख्मी नजर आए हैं। साथ ही उनके कान से खून बहता दिख रहा है। तस्वीर को साझा करते हुए कंगना ने लिखा है, ट्रंप को उनकी रैली में गोली मारी गई, वे इस हत्या के

प्रयास में बच गए, लेकिन वामपंथी स्पष्ट रूप से हताश हो रहे हैं। सभी को सावधान रहने की जरूरत है।

कंगना रणौत ने आगे लिखा, ये लगभग 80 साल का व्यक्ति, कई गोलियां खाने के बाद मुट्ठी बांधकर चिल्लाता है हेल अमेरिका ये चुनाव जीतेगा। यह दक्षिणपंथी है, कभी लड़ाई शुरू न करें बल्कि इसे खत्म करने वाले बनें। अमेरिका के लिए उन्होंने अपनी छाती पर गोली खाई, अगर उन्होंने बुलेट प्रूफ जैकेट नहीं पहनी होती तो वे इस हत्याकांड में बच नहीं पाते।

कंगना रणौत ने अपने नोट में आगे लिखा, वामपंथी विचारधारा मुझे हमेशा आश्चर्यचकित करती है, वामपंथियों का दक्षिणपंथियों से मुख्य मतभेद यह है कि दक्षिणपंथी हिंसक हैं, उन्हें धर्म के लिए लड़ना पसंद है और वामपंथी मूल रूप से प्रेम और शांति में विश्वास करते हैं, इसलिए जागरूक वामपंथियों ने ट्रंप को मारने की कोशिश की, ताकि नफरत और हिंसा जीत न सके।

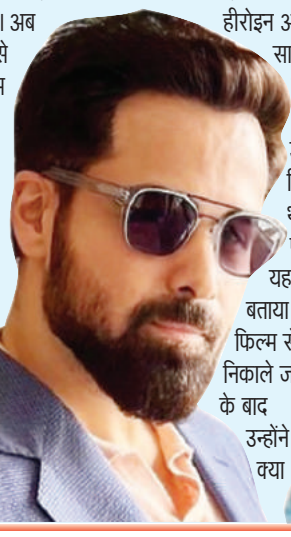

अमीषा पटेल की वजह से पहली ही डेब्यू फिल्म से मैं कर दिया गया था बाहर : इमरान हाशमी

इमरान हाशमी इन दिनों लाइमलाइट में चल रहे हैं। हाल ही में उन्होंने बताया था कि कैसे उन्हें फिल्म सेट से बाहर कर दिया गया था। अब उन्हें अमीषा पटेल से जुड़ा हैरान करने वाले किस्से के बारे में बताया है कि कैसे एक्ट्रेस ने उन्हें फिल्म से बाहर निकलवा दिया था। आपको बता दें कि इमरान हाशमी विक्रम भट्ट की फिल्म फुटपाथ से डेब्यू किया था। मगर एक्टर इस फिल्म से नहीं बल्कि महेश भट्ट की फिल्म ये जिंदगी का सफर से डेब्यू करने वाले थे। मगर अमीषा पटेल के कारण ऐसा हो नहीं सका।

इमरान हाशमी इस वक्त अपनी सीरीज शोटाइम को लेकर चर्चा में हैं, जिसके पहले सीजन का दूसरा पार्ट हाल ही ओटीटी पर रिलीज किया गया।फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने मीडिया के साथ बातचीत में बताया कि उनकी पहली फिल्म 2003 में फुटपाथ नहीं बल्कि ये जिंदगी का सफर होती लेकिन फिल्म की हीरोइन अमीषा पटेल ने उनके साथ काम करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उन्हें फिल्म से निकाल दिया गया था।साथ ही एक्टर ने यह भी बताया कि फिल्म से निकाले जाने के बाद उन्होंने क्या किया था।

इंटरव्यू में इमरान ने कहा, मेरी पहली फिल्म ये जिंदगी का सफर थी जिसमें गोविंदा लीड रोल में थे। उस समय मैं रोशन तनेजा के स्कूल में एक्टिंग कोर्स कर रहा था। इस दौरान महेश भट्ट ने मुझे कॉल किया और कहा कि गोविंदा अब फिल्म का हिस्सा नहीं हैं क्योंकि उनके पास डेट्स नहीं थीं। क्या तुम इस फिल्म में काम करोगे? मैंने रोशन तनेजा से बात की है। फिल्म मिलने के बाद वो काफी नर्वस हो गए थे। आगे उन्होंने बताया कि कैसे महेश भट्ट ने उन्हें काफी मोटीवेट किया था।

अजब-गजब | इस विमान कितने यात्री बैठ सकते हैं? जानकर हो जाएंगे हैरान!

ये है दुनिया का सबसे बड़ा विमान

प्लेन में बैठना, हवा में उड़ना, अंदर की सेवाएं लेना काफी रोचक अनुभव होता है और जिसने भी कभी प्लेन की यात्रा नहीं की है, उसके लिए ये अनुभव जादुई है। जब आप प्लेन में चढ़ते होंगे या उसके पास खड़े होते होंगे, तो उसका आकार देखकर हैरान होते होंगे, क्योंकि विमान बेहद बड़े होते हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया का सबसे बड़ा यात्री विमान आखिर कितना बड़ा होगा और उसमें कितने लोग बैठ सकते होंगे? जब आपको इस विमान के बारे में पता चलेगा, तो आपके होश उड़ जाएंगे।

एयरवेज़ नाम की वेबसाइट के अनुसार दुनिया का सबसे बड़ा यात्री विमान है Airbus 380। इस विमान में दो फुल डेक हैं और 4 बेहद शक्तिशाली इंजन लगे हैं। पहले Airbus A380 विमान ने 27 अप्रैल 2005 को उड़ान भरी थी। तब चीफ टेस्ट पायलट जैक्स रोज़े ने कहा था कि इसे हैंडल करना उतना ही आसान है, जितना साइकिल को हैंडल करना। पर इस विमान के लिए कम ऑर्डर मिले, जिसकी वजह से 2021 के अंत तक इसके प्रोडक्शन को बंद कर दिया गया। दिसंबर 2021 तक एयरबस कंपनी ने 251 ड्ड्ड्ड्ड्ड्380 विमान बनाए, जो दुनियाभर के 20 ऑपरेटरों के पास मौजूद हैं।

इस विमान की लंबाई 238 फीट है और विंग स्पैन 261 फीट है। इसकी क्रूज़ स्पीड 903 किलोमीटर प्रति घंटे है। सिंगापुर एयरलाइन के साथ, अक्टूबर 2007 को एयरबस ने अपनी सेवाएं शुरू की थी। आपको बता दें कि दुनिया के इस सबसे बड़े यात्री विमान में एक साथ 853 यात्री बैठ सकते हैं। इसके 2 सीट कंफिगरेशन के हिसाब से इसमें 575 यात्री इसमें फिट हो सकते हैं।

अगर आपको लग रहा है कि Airbus A380 दुनिया का सबसे बड़ा विमान है तो आप गलत हैं। यात्री विमानों में ये सबसे बड़ा है, पर जब विमानों की बात आती है, जिसमें कार्गो प्लेन भी शामिल हैं, तो इससे पहले आता है Antonov An-225 विमान का, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की तरफ से सबसे भारी और बड़े विमान का दर्जा मिला है। इस विमान में 8 डबल डेकर बसें फिट होने की जगह थी। इस तरह के 2 ही विमान बनाए गए थे, जिसमें से एक को कार्गो विमान बना दिया गया है और दूसरा ऑपरेशनल नहीं है।

यहां नीचे से ऊपर की ओर बहता है पानी, गाड़ी भी चलती है उल्टी

जांजगीर। चांपा पानी को बहते हुए देखा है? आप कहेंगे इसमे कौनसी बड़ी बात है। पानी को तो बच्चों ने भी बहते हुए देखा है। पर हम जो कहानी लाए हैं वो थोड़ी अलग है। कहानी है उल्टे पानी की। छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक का एक ऐसा करिश्मा देखने के लिए मिलता है कि लोग दंग रह जाते हैं। यहां एक ऐसी जगह है जहां पानी नीचे से ऊपर की ओर बहता है। इस आर्टिकल में हमने पूरे नजारे का वीडियो भी लगाया है, जिसे आप देख सकते हैं।

छत्तीसगढ़ का सरगुजा जिले के मैनपाट घूमने के लिए सबसे सुंदर स्थानों में से एक है। मैनपाट को 'छत्तीसगढ़ का शिमला' भी कहा जाता है। यहां का मौसम बहुत ही सुहाना रहता है। इसके कारण यहां पूरे वर्ष लोग घूमने के लिए आते हैं। मैनपाट में बहुत जगह देखने के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें टाइगर प्वाइंट, मेहता प्वाइंट, दलदली, फिश प्वाइंट जैसे कई जगह हैं। मैनपाट के बिसरपानी गांव में 'उल्टा पानी' नाम की भी एक जगह है। उल्टा पानी। नाम ही पता चल रहा है कि यहां उल्टा पानी बहता है। मतलब की ढलान के विपरीत पानी नीचे से ऊपर की ओर बह रहा है। यह जगह गुरुत्वाकर्षण के नियम को भी फेल कर देती है। यहां एक छोटा-सा पत्थर पानी के नीचे से निकल रहा है, जहां नीचे ढलान की ओर बहने के बजाय एक विपरीत ऊपर की ओर ओर बहती है। इस कारण इस जगह का नाम 'उल्टा पानी' पड़ गया। यहां पानी क्यों उल्टा बह रहा है वैज्ञानिकों के लिए रहस्य बना हुआ है। यहां पर कोई भी गाड़ी मोटरसाइकिल या कार न्यूटन (बिना गियर) उल्टा खड़े करने पर ढलान से ऊपर की ओर अपने आप चढ़ते जाती है। बिना गाड़ी चालू किए। अगर आपको भी मैनपाट का प्रसिद्ध स्थल उल्टा पानी देखना है तो अंबिकापुर से 40 किमी दूर और मैनपाट से 9 किलोमीटर दूर बसे हुए बिसरपानी नाम के गांव में पहुंचना होगा।

खाते सीज नहीं होते तो 240 सीटें जीतते : मुरारी

» दौसा के सांसद बीजेपी पर जमकर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दौसा। सांसद मुरारीलाल मीणा ने एक बार फिर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला है, उन्होंने कहा कि यदि भाजपा मीडिया और पैसे का दुरुपयोग नहीं करती तो हम 240 से ज्यादा सीटें जीत जाते। 20 जुलाई को दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा का जन्मदिन है और इसी के चलते इन दिनों मीणा के समर्थक जगह-जगह वृक्षारोपण कर रहे हैं। सांसद कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि मेरा सांसद जनसुनवाई कार्यक्रम सप्ताह में 1 दिन रहेगा, जहां लोगों की समस्याएं सुनी जाएंगी।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए चुनावी परिणाम में भाजपा को केवल दो सीटें मिली हैं, जिससे स्पष्ट है कि जनता प्रधानमंत्री मोदी के पिछले 10 साल के कार्यकाल से परेशान हो चुकी है। उन्होंने कहा कि यदि चुनावों से पहले भाजपा कांग्रेसियों के खाते सीज नहीं करवाती तो चुनाव में 240 सीटों पर हमें जीत मिलती। उधर राजस्थान में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए मीणा ने कहा कि राजस्थान के विधानसभा उपचुनाव में पांचों सीटें कांग्रेस ही जीतेगी।

बेनीवाल हिचकी खाते-खाते जीते, इस बार तो कमल ही खिलेगा : सीपी जोशी

पिछले विधानसभा चुनाव में खींवसर विधानसभा सीट पर आरएलपी ने मामूली अंतर से जीत हासिल की थी। लेकिन आने वाले दिनों में हो रहे उपचुनाव में खींवसर में बीजेपी का कमल खिलेगा। ये दावा किया है बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने जो नागौर जिला मुख्यालय के दौरे पर रहे। नागौर में तय वक्त से दो घंटे से भी ज्यादा समय देरी से पहुंचे जोशी ने जिला बीजेपी कार्यालय में कार्य समिति की बैठक ली। उन्होंने संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जिले भर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से चर्चा की।आने वाले दिनों में कारगिल विजय दिवस, गुरु पूर्णिमा और मन की बात जैसे आयोजनों को लेकर भी बैठक में बात की गई। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि जयपुर में बीजेपी के प्रदेश कार्य समिति की बैठक आयोजित हुई थी और उसके बाद अब जिला स्तरीय बैठकें प्रदेश भर में आयोजित की जा रही है और संगठन को मजबूती देने के साथ-साथ प्रदेश सरकार ने जो भी फैसले लिए और जो जन कल्याण कारी योजनाएं हैं, उन्हें जनता तक पहुंचने में संगठन भी पूरी भागीदारी निभाएगा।

अजलन ने साधा स्वर्णिम निशाना

स्टेट शॉटगन शूटिंग में जीते दोहरे खिताब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली में आयोजित हुई 47वी स्टेट शॉटगन शूटिंग कंपटीशन मैं सुल्तानपुर के खैराबाद निवासी जमाल असगर राणा के पुत्र अजलन असगर ने सिंगल ट्रैप और डबल ट्रैप के टीम स्पर्धा में गोल्ड और सिल्वर मेडल जीत कर उत्तर प्रदेश और सुल्तानपुर का नाम रोशन किया है। अजलन लखनऊ के अवध राइफल शूटिंग अकैडमी मैं कोच विक्रम राय और अमित अग्रवाल से 2 वर्षों से शूटिंग सीख रहे है। अजलन सीएमएस गोमती नगर के 9वीं के छात्र हैं और फुटबॉल के अच्छे खिलाड़ी हैं। आगामी पूर्व राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता के लिए डी पी गुप्ता जी ने अजलान को आशीर्वाद दिया।

अवध राइफल शूटिंग एकेडमी के संस्थापक अध्यक्ष पीकेराय ने टीम के खिलाड़ियों को जीत की बधाई देते हुए बताया कि इस वर्ष 2024 स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता में संस्था में कुल 16 मैडल आये हैं। जिसमें 8 स्वर्ण, 4 रजत व 2 कस्य पदक हैं। इसी क्रम में 22 बोर राइफ ल शूटिंग में अनूप कुमार (पीपीएस) ने दो स्वर्ण व एक सिल्वर मैडल पर निशाना लगाते हुए जीत घोषित की। उन्होंने बताया कि लखनऊ से 18 शूटरों ने प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें अमित अग्रवाल, विक्रम राय, जमाल अज़गर राणा, प्रशांत चौरसिया, संजय शीतल प्रसाद सिंह, अजलान, लक्ष्मी सिंह, ऋषभ, अनुभव, आदित्य, देव, अकबर, शाहनवाज, इस्मित, शक्ति आदि ने प्रतिभाग किया।

पांच वर्षों से लगातार रहा गोल्ड पर कब्जा : राय

स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में ट्रैप व डबल ट्रैप शूटिंग प्रतियोगिता में लखनऊ की टीम ने गोल्ड व सिल्वर मैडल जीत कर शहर का नाम राज्य स्तर पर रोशन किया हैं। विगत चार वर्षों से लगातार लखनऊ की ट्रैप व डबल ट्रैप टीम स्वर्ण पदक जीतते आ रहे हैं। नई दिल्ली स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज पर दिनांक 05 से 14 जुलाई तक चली स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में लखनऊ की डबल ट्रैप ने इटावा की टीम को भारी अंतर से हरा कर स्वर्ण व रजत पदक पर कब्जा कायम रखा।

अब लोग कह रहे हैं 'तुमसे न हो पाएगा' मोदी: महुआ मोइत्रा

» विस उपचुनाव के नतीजों के बाद भाजपा पर टीएमसी ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने सभी चार सीट जीतीं, जबकि पंजाब में आम आदमी पार्टी ने जालंधर पश्चिम सीट पर विजय हासिल की। इस जीत से उत्साहित टीएमसी सांसद ने महुआ मोइत्रा ने बीजेपी व प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसा है। उन्होंने प्रधानमंत्री को 'टैग' करते हुए कहा, 'लोग कह रहे हैं 'तुमसे न हो पाएगा' नरेन्द्र मोदी।

उपचुनाव में कांग्रेस ने चार सीट पर जीत दर्ज की। पार्टी ने हिमाचल प्रदेश में दो और भाजपा शासित उत्तराखंड में दो सीट पर जीत हासिल की। तमिलनाडु में

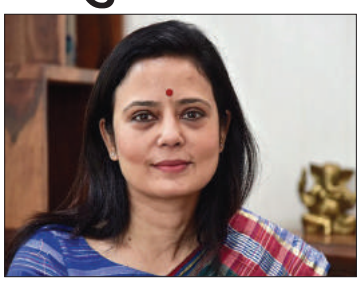

द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने विक्रवांडी निर्वाचन क्षेत्र में जीत दर्ज की। सात राज्यों की 13 विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के परिणाम आने के बाद मोइत्रा ने कहा कि उपचुनाव में 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों ने 10 विधानसभा सीट और भाजपा ने दो सीट पर जीत दर्ज की, जबकि एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार की जीत हुई।

उद्धव के साथ हुआ पाप: अविमुक्तेश्वरानंद

» बोले शंकराचार्य- छल करने वाला हिंदू नहीं हो सकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि जब तक शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे फिर से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री नहीं बन जाते, तब तक उनका दर्द दूर नहीं होगा। मुंबई में उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री का दौरा करने के बाद उन्होंने कहा, हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं और पाप और पुण्य में विश्वास करते हैं। सबसे बड़ा पाप विश्वासघात है। उद्धव ठाकरे धोखा दिया गया है। शंकराचार्य ने कहा कि मैंने उनसे (उद्धव ठाकरे से) कहा कि उन्हें जो विश्वासघात झेलना पड़ा उससे हम सभी दुखी हैं।

जब तक वह फिर से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री नहीं बन जाते, हमारा दर्द दूर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति छल करता है वह हिंदू नहीं हो सकता। महाराष्ट्र की जनता इस विश्वासघात से दुखी है और यह चुनाव

मुख्यमंत्री बनने पर दूर होगा दर्द

नतीजों से भी जाहिर हुआ। शंकराचार्य ने कहा, यह उन लोगों का भी अपमान है जो अपना नेता चुनते हैं। किसी सरकार को उसके कार्यकाल के बीच में तोड़ना और जनता के जनादेश का अपमान करना गलत है। आपको बता दें कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 40 से अधिक शिवसेना विधायकों के साथ, तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ विद्रोह किया था और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार को गिरा दिया था, जिसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और कांग्रेस भी शामिल थी। शिंदे ने बीजेपी से हाथ मिलाया और नए मुख्यमंत्री बने। शिवसेना के शिंदे गुट को भी चुनाव आयोग से तीर-धनुष चुनाव चिह्न मिल गया है।

मोदी हमारे दुश्मन नहीं

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर शंकराचार्य ने कहा,कि वह मेरे पास आए और प्रणाम किया। यह नियम है कि जो भी हमारे पास आता है हमें उसे आशीर्वाद देना होता है। इसलिए मैंने उन्हें आशीर्वाद दिया। नरेंद्र मोदी हमारे दुश्मन नहीं हैं। हम उनके हितैषी हैं और अगर वह कोई गलती करते हैं तो हम उन्हें बताते भी हैं।

अब श्रीलंकाई चीतों का शिकार करेगी टीम इंडिया

» 27 जुलाई से शुरू होगा दौरा

» तीन टी-20 और तीन वनडे मैच होंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत का जिम्बाब्वे दौरा सुखद रहा और शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने 5 टी20आई सीरीज को 4-1 से जीत लिया। जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए इस टी20आई सीरीज के बाद अब टीम इंडिया श्रीलंका दौरे पर जाएगी। जहां दोनों टीमों के बीच 6 मैच खेले जाएंगे। इनमें तीन टी20आई मैच जबकि 3 वनडे मैच होंगे। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टी20टीम में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं होगा जबकि वनडे टीम पूरी तरह से बदली नजर आएगी।

टी20आई सीरीज की बात करें तो इसमें हो सकता है कि टीम की कमान हार्दिक पंड्या के कंधों पर हो जबकि वनडे सीरीज में केएल राहुल कप्तान की भूमिका में रहे। श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी जैसे रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है ऐसे में ये सभी इस दौरे पर नजर नहीं आएंगे। भारत और श्रीलंका के बीच पहले 3 मैचों की टी20आई सीरीज खेली जाएगी। जिसका पहला मुकाबला 27 जुलाई से होगा जबकि दूसरा मैच 28 जुलाई को खेला जाएगा। इस सीरीज का तीसरा मैच 30 जुलाई को होगा। इसके बाद 3 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा जिसकी शुरुआत 2 अगस्त से होगी। जबकि वनडे सीरीज का दूसरा मैच 4 अगस्त को तो वहीं तीसरा मैच 7 अगस्त को खेला जाएगा। श्रीलंका दौरे पर टी20 मुकाबले भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे से खेले जाएंगे जबकि वनडे मैचों का आयोजन दोपहर 2.30 बजे से होगा।

भारत-श्रीलंका सीरीज

पहला टी20 मैच- 27 जुलाई, पल्लेकेले, शाम 7 बजे, दूसरा टी20 मैच- 28 जुलाई, पल्लेकेले, शाम 7 बजे, तीसरा टी20 मैच- 30 जुलाई, पल्लेकेले, शाम 7 बजे, भारत-श्रीलंका वनडे मैचों का शेड्यूल, पहला वनडे मैच- 2 अगस्त, कोलंबो, दोपहर 2.30 बजे, दूसरा वनडे मैच- 4 अगस्त, कोलंबो, दोपहर 2.30 बजे, तीसरा वनडे मैच- 7 अगस्त, कोलंबो, दोपहर 2.30 बजे।

मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सीबीआई-ईडी को सुप्रीम नोटिस

29 जुलाई को अगली सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार (16 जुलाई) को सुनवाई हुई। दिल्ली शराब नीति मामले में जेल में बंद सिसोदिया की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया है।मनीष सिसोदिया ने दोनों जांच एजेंसियों की ओर से दर्ज केस में जमानत मांगी है, इस मामले में अगली सुनवाई अब 29 जुलाई को होगी।

शराब नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने सिसोदिया के ऊपर केस दर्ज किया है, जबकि सीबीआई ने भ्रष्टाचार के केस में आप नेता पर मुकदमा दर्ज किया। दिल्ली शराब नीति को अब रद्द कर दिया गया है, लेकिन इसमें हुए तथाकथित घोटाले के आरोप में आप के कई नेता जेल गए हैं. दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल भी शराब नीति मामले में ही जेल में बंद हैं। राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी इस केस में जेल जा चुके हैं और फिलहाल जमानत पर बाहर हैं।

दिल्ली पुलिस कोर्ट में पेश करेगी 1000 पन्नों की चार्जशीट, बढ़ सकती हैं बिभव कुमार की मुश्किलें

आम आदमी पार्टी की सांसद व दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवार के साथ मुख्यमंत्री आवास मे हुई मारपीट के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक विभव कुमार द्वारा मारपीट के मामले में दिल्ली पुलिस मंगलवार को तीस हजारी कोर्ट में चार्जशीट दायर करेगी। दिल्ली पुलिस इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार के खिलाफ आरोपों की सूची तैयार करेगी। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने जांच लगभग पूरी कर ली है। पुलिस अब तीस हजारी अदालत में बिभव कुमार के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने के लिए तैयार है। पुलिस ने मामले के संबंध में 1,000 पन्नों का आरोपपत्र भी तैयार किया है, जिसमें घटना के समय केजरीवाल के आवास पर तैनात सुरक्षा कर्मचारियों का भी उल्लेख है।

16 महीनों से जेल में बंद हैं मनीष सिसोदिया: वकील

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई की। आप नेता की तरफ से पेश वकील विवेक जैन ने दलील दी कि उनके मुवक्किल पिछले 16 महीनों से जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ मुकदमा उसी स्टेज में है, जैसा वह अक्टूबर, 2023 में था।

केजरीवाल की जमानत के खिलाफ ईडी की याचिका पर सुनवाई 7 अगस्त को

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका पर सुनवाई 7 अगस्त तय की है जिसमें कथित आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दी गई जमानत को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने इससे पहले ट्रायल कोर्ट के 20 जून के आदेश पर रोक लगा दी थी। इसके तहत केजरीवाल को मामले में जमानत दी गई थी। याचिका पर सुनवाई करने वाली न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा को केजरीवाल के वकील ने बताया कि ईडी ने उन्हें रविवार देर रात ही अपने जवाब की प्रति दी है और उन्हें इस पर जवाब दाखिल करने के लिए कुछ समय चाहिए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मामले में केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी है और वे आदेश की प्रति रिकॉर्ड में रखेंगे। वकील ने कोर्ट से आग्रह किया कि उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए 15 दिन का समय दिया जाए। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 7 अगस्त को तय की है।

महाराष्ट्र में बस और ट्रैक्टर टकराए पांच तीर्थयात्रियों की दर्दनाक मौत

कल्याण डोंबिवली से पंढरपुर जा रही थी बस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बीती देर रात एक निजी बस और ट्रैक्टर में टक्कर हो गई। बस तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही थी। हादसे में पांच तीर्थयात्रियों की मौत हो गई है। वहीं सात लोग गंभीर रुप से घायल हुए है। ये हादसा इतना भयंकर था कि इसमें कुल 42 लोगों को चोटें आई हैं। जब हादसा हुआ तब बस में कुल 54 यात्री सवार थे।

बता दें कि ये बस कल्याण डोंबिवली से पंढरपुर जा रही थीं। इसी बीच मुंबई-पुणे एक्सप्रेस हाइवे पर बस एक ट्रैक्टर से टकरा कर सड़क के नीचे खाई में गिर गई। इस हादसे के संबंध में पुलिस ने बताया कि जो लोग इस घटना में घायल हुए हैं उनमें वारकरी (भगवान विट्ठल के भक्त) थे। ये सभी मुंबई के पास अपने गृहनगर डोंबिवली से आषाढ़ी एकादशी पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पंढरपुर जा रहे थे। उसने बताया कि सोमवार करीब आधी रात को बस ट्रैक्टर से टकराकर खाई में गिर गई। पुलिस उपायुक्त विवेक पानसरे ने संवाददाताओं को बताया कि डोंबिवली से बस में कुल 42 यात्री पंढरपुर जाने के लिए सवार हुए थे। उन्होंने बताया कि बस अदने गांव के पास एक ट्रैक्टर से टकरा गई जिससे पांच लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

नहीं तोड़े जाएंगे पंतनगर व रहीमनगर के मकान

सीएम के आश्वासन के बाद लोगों में खुशी, हर निवासी की सुरक्षा और संतुष्टि हमारी जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते एक माह से अपने सपनों के घर को तोड़े जाने की भ्रामक खबरों से परेशान पंतनगर, इन्द्रप्रस्थनगर एवं रहीमनगर आदि क्षेत्रों के लोगों की समस्या का समाधान कर दिया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पहुंचे प्रभावित परिवारों के भय और भ्रम का समाधान करते हुए ने मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि पंतनगर हो या इंद्रप्रस्थ नगर, वहां निवासरत लोगों की सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

संबंधित प्रकरण में एनजीटी के आदेशों के क्रम में नदी के फ्लड प्लेन जोन का चिन्हांकन किया गया है। फ्लड प्लेन जोन में निजी भूमि भी सम्मिलित है। लेकिन निजी भूमि को खाली कराने की न तो वर्तमान में कोई आवश्यकता है और न ही कोई प्रस्ताव है। निजी भूमियों में बने निजी भवनों के ध्वस्तीकरण का कोई विषय विचाराधीन नहीं है। यही नहीं, उन्होंने कहा कि फ्लड प्लेन जोन चिन्हींकरण के दौरान भवन निर्माणों पर लगाये गये संकेतों से आम जन में भय और भ्रम फैला है, इसका कोई औचित्य नहीं था और इसके लिए जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री ने उक्त क्षेत्र में साफ-सफाई व जनसुविधाओं के विकास के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए हैं।

अधिकारियों को सीएम का निर्देश, क्षेत्र में जाएं लोगों से मिलकर उनका भय और भ्रम दूर करें

सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि तत्काल क्षेत्र में विजिट करें, लोगों से मिलें और उनका भय और भ्रम दूर किया जाए। प्रभावित परिवारों से वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रिवर बेड विकसित करने में यदि कोई निजी भूमि पर बना भवन निर्माण आता है, जिसका प्रमाणित स्वामित्व किसी निजी व्यक्ति का है, उसे नियमानुसार समुचित मुआवजा देकर ही अधिग्रहीत किया जाएगा। मुख्यमंत्री से मिलने के बाद प्रसन्नचित परिवारों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया और योगी हैं तो यकीन है के नारे भी लगाए।

फोटो:4 पीएम

भूजल सप्ताह जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने लखनऊ के 1090 चौराहे पर भूजल सप्ताह के अवसर पर मानव श्रृंखला व जल मैराथन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। जल मैराथन के लिए मानव श्रृंखला को झंडी दिखाई। स्कूल के छोटे-छोटे विद्यार्थियों ने भू-गर्भ जल संरक्षित करने का सन्देश दिया।

गुजरात में संदिग्ध चांदीपुरा वायरस से छह बच्चों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल ने कहा कि पिछले पांच दिनों में राज्य में संदिग्ध चांदीपुरा वायरस से कम से कम छह बच्चों की मौत हो गई है, जिससे कुल संदिग्ध मामलों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। इन 12 मरीजों में से चार साबरकांठा जिले से, तीन अरावली से और एक-एक महिसागर और खेड़ा से हैं। इसके अलावा, दो मरीज राजस्थान से और एक मध्य प्रदेश से हैं।

पटेल ने कहा, इन 12 मरीजों में से चार साबरकांठा जिले से, तीन अरावली से और एक-एक महिसागर और खेड़ा से हैं। दो मरीज राजस्थान से और एक मध्य प्रदेश से हैं। इनका इलाज गुजरात में हुआ था। राज्य में संदिग्ध चांदीपुरा वायरस से छह मौतें हुई हैं, लेकिन नमूनों के नतीजे आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि ये मौतें चांदीपुरा वायरस के कारण हुई हैं या नहीं।

पुणे भेजा गया नमूना

उन्होंने कहा साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल से छह में से पांच मौतें रिपोर्ट की गई हैं। साबरकांठा के आठ समेत सभी 12 नमूनों को पुष्टि के लिए पुणे के राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) भेजा गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।